महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE

हिंदी विश्वविद्यालय में गार्गी बन्सोड का हुआ व्याख्यान

वर्धा, 01फरवरी 2024: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में नई दिल्ली की इतिहास की शोधकर्ता एवं लेखिका गार्गी बन्सोड का विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग की ओर से गुरूवार 01 फरवरी को माधवराव सप्रे सभागार में ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया

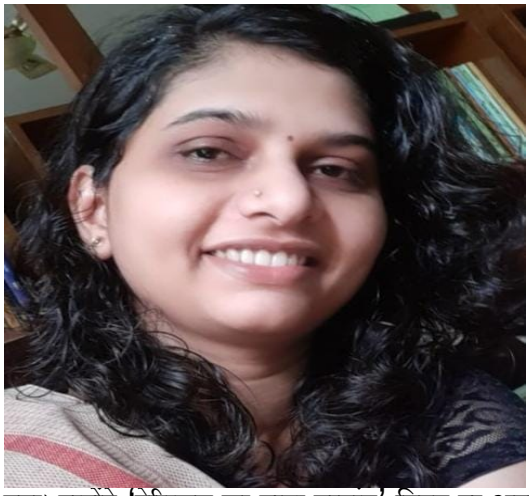

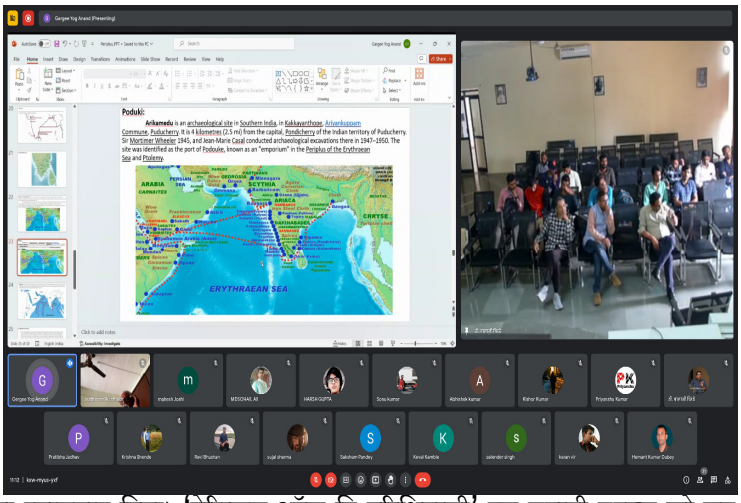

गया। उन्होंने 'पेरिप्लस का यात्रा वृत्तांत' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। 'पेरिप्लस ऑफ दि एरिथ्रिएन्सी' इस युनानी पुस्तक को सन 1912 में विल्फ्रेड एच. स्कॉफ ने अंग्रेजी में अनूदित किया था। इस पुस्तक में 2200 वर्ष पूर्व युरोप व्यापारिक संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है। अनामिक समुद्री व्यापारी का यह यात्रावृत्तान्त बहुत सारी रोचक जानकारी से भरा है। इस यात्रावृत्तान्त को अन्य प्रमाणों से प्रमाणित भी किया जा सकता है। गार्गी बन्सोड ने बताया कि प्राचीन समय में आयात-निर्यात एवं विश्व के अन्य भागों में किस प्रकार व्यापार किया जाता था और मिस्र, रोम, युनान को क्या बेचा जाता था, वहाँ से क्या आयात किया जाता था इसका विस्तार से वर्णन किया। अलग-अलग प्रकार के नक्शों का प्रयोग करते हुए उन्होंने अपनी प्रस्तुति को अद्भूत बनाया।

उन्होंने स्पष्ट किया की वस्त्र, लकडी, प्राणी, पक्षी, मसाले, फल आदि का भी निर्यात किया जाता था। इस कार्यक्रम में डॉ. मुन्नालाल गुप्ता,डॉ. परिमल प्रियदर्शी उपस्थित थे। यह कार्यक्रम मानविकी विभाग के अधिष्ठाता डॉ. फरहद मलिक एवं कुलसचिव डॉ. धरवेश कठेरिया के मार्गदर्शन से आयोजित किया गया।

इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. बालाजी चिरडे इस कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन किया। इस कार्यक्रम में स्नातक एवं परास्नातक छात्र और अन्य शिक्षक एवं छात्रों ने लाभ लिया। आभार ज्ञापन सहायक प्रोफेसर डॉ. मुन्नालाल गुप्ता ने किया।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष :+91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

हिंदी विश्वविद्यालयात गार्गी बनसोड यांचे झाले व्याख्यान

वर्धा, 01 फेब्रुवारी 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात नवी दिल्ली येथील इतिहास शोधकर्ता आणि लेखिका गार्गी बनसोड यांचे ऑनलाइन व्याख्यान विश्वविद्यालयाच्या इतिहास विभागातर्फे गुरुवार 01 फेब्रुवारी रोजी माधवराव सप्रे सभागृहात आयोजित करण्यात आले होते. त्यांनी 'पेरिप्लसचा प्रवास' या विषयावर व्याख्यान दिले. 'पेरिपल्स ऑफ द एरिथ्रिएन्सी' या ग्रीक पुस्तकाचा इंग्रजीत अनुवाद विल्फ्रेड एच. स्कॉफ यांनी १९१२ मध्ये केला होता. या पुस्तकात 2200 वर्षांपूर्वी युरोपशी असलेल्या व्यापारी संबंधांच्या प्रकाराविषयी महत्त्वाची माहिती मिळते. एका निनावी सागरी व्यापाऱ्याचे हे प्रवासवर्णन रंजक माहितीने भरलेले आहे.

हे प्रवासवर्णन इतर पुराव्यांद्वारेही सिद्ध होऊ शकते. गार्गी बनसोड यांनी प्राचीन काळी जगाच्या इतर भागात आयात-निर्यात आणि व्यापार कसा होत असे आणि इजिप्त, रोम, ग्रीस या देशांना काय विकले गेले किंवा तिथून काय आयात केले गेले याचे तपशीलवार वर्णन केले. विविध प्रकारचे नकाशे वापरून त्यांनी आपले सादरीकरण केले.

त्यांनी स्पष्ट के की कपडे, लाकूड, प्राणी, पक्षी, मसाले, फळे आदींची निर्यातही होते. या कार्यक्रमात डॉ.मुन्नालाल गुप्ता, डॉ. परिमल प्रियदर्शी उपस्थित होते. मानविकी विभागाचे अधिष्ठाता डॉ. फरहद मलिक व कुलसचिव डॉ. धरवेश कठेरिया यांच्या मार्गदर्शनाखाली या कार्यक्रमाचे आयोजन करण्यात आले होते.

या कार्यक्रमाचे आयोजन व संचालन इतिहास विभागाचे प्रभारी डॉ.बालाजी चिरडे यांनी केले. पदवी व पदव्युत्तर विद्यार्थी व इतर शिक्षक व विद्यार्थ्यांनी या कार्यक्रमाचा लाभ घेतला. आभार प्रदर्शन सहायक प्राध्यापक डॉ. मुन्नालाल गुप्ता यांनी केले.